राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति की बैठक में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

———

मैं इस बैठक में उदयपुर पधारने के लिए आप सभी प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ और आप सबका हार्दिक स्वागत करता हूँ।

विशेष रूप से राजस्थान विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री सी पी जोशी जी का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने झीलों के नगर उदयपुर में इस बैठक के आयोजन की ज़िम्मेदारी ली।

माननीय सदस्यगण, आज की राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति की इस बैठक के एजेंडा का आप सबने अध्ययन कर लिया होगा। आज की बैठक में हमारे सामने मुख्य विषय हैं :-

कार्यकारी समिति की पिछली बैठक के मिनट्स को मंजूरी देना

वित्तीय वर्ष 2021-2022 और 2022-2023 की ऑडिट रिपोर्ट को मंजूरी देना

घाना में होने वाले 66वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के बारे में सूचित करना,

वर्ष 2023-24 के लिए सीपीए मुख्यालय, लंदन और सीपीए भारत क्षेत्र को सदस्यता-शुल्क हेतु किए गए भुगतान की स्थिति के बारे में सूचित करना

8वें सीपीए सम्मेलन, जो गुवाहाटी में आयोजित हुआ था, उसके बाद से सीपीए भारत क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रीय शाखाओं के कार्यकलापों के बारे में सूचित करना

सीपीए भारत क्षेत्र में जोनों का पुनर्गठन जिसके अंतर्गत इनकी संख्या को वर्तमान 4 से बढ़ाकर 9 किए जाने के निर्णय को मंजूरी देना। इन क्षेत्रों का विवरण एजेंडा पेपर में दिया गया है।

क्षेत्रीय सम्मेलनों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता (सबवेंशन) मानदंडों में प्रस्तावित संशोधन के निर्णय को मंजूरी देना।

सीपीए भारत क्षेत्र में क्षेत्रीय कार्यक्रमों के
आयोजन के लिए प्रक्रिया ज्ञापन (memo of procedure) के निर्णय को मंजूरी देना।

वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए बजट अनुमान को मंजूरी देना।

सीपीए भारत क्षेत्र के संविधान में प्रस्तावित संशो-धनों को मंजूरी देना। इन प्रस्तावित संशोधनों का ब्योरा संलग्न एजेंडा पत्र में दिया गया है।

सीपीए भारत क्षेत्र की कायिक निधि के तहत प्रस्तावित कार्यकलापों का कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदन लोकसभा सचिवालय में संयुक्त एआईपीओसी –सीपीए भारत क्षेत्र प्रकोष्ठ के गठन का कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदन, एवं आसन की अनुमति से कोई अन्य विषय।

माननीय सदस्यगण, कार्यकारी समिति से जिन संशोधनों के अनुमोदन का आग्रह किया गया है, वे संशोधन, CPA भारत क्षेत्र के कार्य कलापों में व्यापक परिवर्तन की दृष्टि से लाए गए हैं और मेरा ऐसा मानना है कि इनसे हमारी संस्था और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनेगी।

जहां तक हमारी वित्तीय स्थिति का प्रश्न है, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान हमारी टोटल प्राप्ति (Receipt) लगभग 2.46 करोड़ रुपये होने का

अनुमान है। इसमें इस वर्ष के लिए सदस्यता शुल्क के अतिरिक्त बैंकों में जमा राशि तथा उनपर मिलने वाला व्याज शामिल है।

जबकि इस वर्ष लगभग 3. 24 करोड़ रुपये का व्यय होने का अनुमान है। अर्थात इस वर्ष आय की तुलना में हमारा व्यय लगभग 78 लाख रुपये अधिक होने का अनुमान है।

एक बार पुनः, मैं आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं और अब आपके विचारों और सुझावों को व्यक्त करने के लिए आपको आमंत्रित करता हूँ।